

सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का दूसरा दिन

न्यूक्लियर और पार्टिकल्स पर मंथन

लाइफ रिपोर्ट @ रांची

सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड में न्यूक्लियर, पार्टिकल्स और एक्सलरेटर फिजिक्स पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञों ने मंथन किया। सेमिनार के दूसरे दिन (बुधवार) वीडिओ, कोलकाता के विशेषज्ञ तिलक के घोष ने सेल के प्रभाव व विखंडिता पर अपना विचार दिया।

पंजाब विवि के बीआर बेहरा ने हैवी और सुपर हैवी न्यूक्लियर पर जानकारी साझा की। इसके अतिरिक्त न्यूक्लियर स्ट्रक्चर व उसके रिएक्शन स्टडी की जानकारी इंटर यूनिवर्सिटी एक्सलरेटर सेंटर नयी दिल्ली के आरपी सिंह ने दी। भाभा एटॉमिक



सेमिनार में शामिल शिक्षक और जानकारी देते विशेषज्ञ.

रिसर्च सेंटर के अरुण के जैन ने डायरेक्ट न्यूक्लियर रिएक्शन के अध्ययन के विकास के बारे बताया।

साथ ही एके नसिराव, एम माधवन, संदीप एस घुरजे, राजश्री राउत, एसके पात्रा और बीपी सिंह ने भी विचार दिये।

परमाणु के हालिया शोधों पर हुआ विमर्श

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में 'परमाणु, कण और त्वरक भौतिकी' पर चल रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन देश-विदेश से जुटे वैज्ञानिकों, प्रोफेसर और शोधार्थियों ने इस विषय पर हालिया शोधों और अध्ययन पर चर्चा की।

वैरिबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन सेंटर (वीईसीसी), कोलकाता, के तिलक के

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- परमाणु, कण और त्वरक भौतिकी पर सम्मेलन का आयोजन
- सीयूजे में चल रहे सम्मेलन के दूसरे दिन कई शोधों पर हुई चर्चा

घोष ने भारी और सुपर हैवी तत्वों के शैल प्रभाव और विखंडन गतिशीलता पर चर्चा की।

अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र

नई दिल्ली के आरपी सिंह ने परमाणु संरचना और आईयूएसी में गामा डिटेक्टर सारिणी के साथ कुछ प्रतिक्रिया के अध्ययनों चर्चा की। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के अरुण के जैन ने भारत पर प्रत्यक्ष परमाणु प्रतिक्रियाओं में कलस्ट्रिंग, जोड़ी और अनुवाद के अध्ययन में प्रगति को बताया।

रूस के वैज्ञानिक के नासीरोव ने प्रतिक्रिया उत्पादों के गठन पर भारी आयन टकराव के प्रारंभिक चरण के गैर-

समतोल के प्रभाव को बताया।

यूजीसी-डीएई-सीएसआर के संदीप एस घुरजे, राजश्री राउत व इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक, भुवनेश्वर के एस के पात्रा ने आइसोटोप के प्रभावी सतह गुणों पर चर्चा की। अलीगढ़ विवि के बीपी सिंह ने कम ऊर्जा पर अपूर्ण फ्यूजन प्रतिक्रियाओं के बारे में बताया। मौके पर सम्मेलन के संयोजक डॉ धर्मेश सिंह व सचिव डॉ विनीत कुमार समेत देश-विदेश से जुटे प्रतिभागी मौजूद थे।